अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वप्रवेश (प्रथम खंड) – 30

प्र.1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) द्रव्य गुण पर्याय द्वार (ख) नौ तत्व द्वार लिखें। (ग) दृष्टांत द्वार पुण्य पाप तक लिखें।

(घ) विस्तार द्वार में जीव के दो भेद से लेकर संसारी जीवों के तीन वर्गों तक का वर्णन करें।

(ङ) ज्ञानावरणीय कर्म, अंतराय कर्म, गौत्र कर्म बन्ध के कारण क्या है?

प्र.2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) औपशमिक भाव किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं? नाम बतायें।

(ख) कर्म किसे कहते हैं? कर्म कितने हैं? नाम लिखें।

(ग) लोक–अलोक किसे कहते हैं?

(घ) नौ तत्त्वों में रूपी तत्त्व कौन से व अरूपी तत्त्व कौन से?

(ड.) अस्ति का अर्थ क्या है? कितने द्रव्य अस्तिकाय हैं? नाम बतायें।

(च) आत्मा किसे कहते हैं? आत्मा कितनी है? नाम बतायें।

(छ) आश्रव के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव गुण लिखें।

प्रतिक्रमण – 20

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 10

(क) प्रायश्चित सूत्र अथवा वंदना सूत्र लिखें।

(ख) सत्य अणुव्रत के व्रत अथवा भोगोपभोग परिमाण अणुव्रत के व्रत लिखें।

प्र.4 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) अहिंसा अणुव्रत के अतिचार लिखें (ख) ब्रह्मचर्य अणुव्रत के अतिचार लिखें।

(ग) पौषधोपवास व्रत के अतिचार लिखें। (घ) जीवयोनि का पाठ लिखें

(ड) क्षमायाचना सूत्र लिखें (च) कायोत्सर्ग संकल्प सूत्र लिखें।

कर्म–प्रकृति – 25

प्र.5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) दर्शनावरणीय कर्म का लक्षण एवं कार्य व गुणस्थानों में अवस्थिति क्या है?

(ख) आयुष्य कर्म की उत्तर प्रकृति व हेतु लिखें?

(ग) पिण्ड प्रकृति के किन्हीं पांच भेदों का अर्थ सहित उल्लेख करें?

(घ) नाम कर्म बंध के हेतु स्थिति, अबाधा काल लिखें?

(ङ) अन्तराय कर्म की परिभाषा तथा उत्तर प्रकृतियाँ उदाहरण सहित लिखें?

प्र.6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) गौत्र कर्म के लक्षण एवं कार्य लिखें।

(ख) साता–वेदनीय कर्म भोगने के कितने व कौन–कौन से हेतु हैं?

(ग) नोकषाय की प्रकृतियाँ अर्थ सहित लिखें।

(घ) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ङ) अप्रत्याख्यानी क्रोध, मान, माया, लोभ किसके समान हैं?

(च) अंतराय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

गीतिका – 10 (कर्मों की सज्झाय)

प्र.7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) ''देव दानव.....महा निबला रें'' (ख) ''छप्पन करोड़.....बिन पाणीरे''

(ग) ''ईश्वर देव.....भोजन खावैरे'' (घ) ''पाण्डव पाँच.....भिखारी रे''

प्र.8 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – 2

(क) कौन से चक्रवर्ती को समुद्र में फेंका गया?

(ख) राजा श्रेणिक की मुसकें किसने बांध दी?

(ग) राजा चन्द को किसने मुर्गा बनाया?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 15

प्र.9 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12

(क) सामायिक जीव या अजीव (ख) देवता में योग कितने? (ग) पन्द्रह दण्डक किसमें?

(घ) साधु में शरीर कितने? (ड.) योग किस कर्म का उदय?

(च) आत्मा किस कर्म का उदय। (छ) पच्चीस बोल का छठा बोल लिखें।

(ज) किस योग के जीव कम, किस योग के जीव अधिक?

प्र10 कोई एक पद्य लिखें। 3

(क) पाप धर्म.....करै लड़ाई रे।।

(ख) तीर्थंकर चक्रवर्त.....समकित जाण।।